

Virus snuffs out eminent LU professor

'It's A Loss To Sanskrit Edu Globally'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University lost yet another gem to Covid-19 on Tuesday, when renowned Sanskrit scholar and Padma Shri awardee Prof BK Shukla (58) died battling the virus. He had been admitted in RMLIMS for eight days.

Prof Shukla was the head of the department of Jyotir Vigyan and director of the Abhinavagupt Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy. His untimely death has rendered a blow to these two disciplines he nurtured all through his career. He was planning to start several PhD research courses on Shaivism from the coming session. He was also dean, faculty of arts, and officiating as the head of 12 other departments in which either a dispute over headship was on or a qualified person was not available.

Prof Shukla, survived by his wife, son and daughter, is the fourth professor associated with LU to have succumbed to Covid in the past six months.

He took ill soon after participating in a seminar held on March 23-24 to mark the inauguration of the building of the Abhinavagupt Institute and tested Covid-19 positive on March 28. He was admitted to RMLIMS the next day when his condition deteriorated. He died due to cardiac arrest triggered by respiratory failure.

The demise of the Sanskrit scholar has sent shock waves across the academic world. Social media was flooded with condolence messages and photographs of Prof Shukla receiving Padma Shri from President Ram Nath Kovind in 2019 and the inauguration of his institute's building on March 23. LU also held an online meet to condole his death.

Prof BK Shukla of LU succumbs to Covid-19

Administrative office, associated colleges closed till April 10



PNS LUCKNOW

Dean, Faculty of Arts and Head of Lucknow University's Sanskrit department Prof BK Shukla succumbed to Covid-19 on Tuesday morning. He was 59. He was also a Padma Shri awardee. Prof Shukla was admitted to the Covid facility of Ram Manohar Lohia Institute of Medical Sciences on March 30 after testing positive for coronavirus infection and over complaints of shortness of breath. A senior doctor said Prof Shukla had moderate symptoms at the time of hospitalisation but he developed severe pneumonia and had been on ventilator for the past five days.

"When he arrived at the hospital, we had to put him on oxygen and he was hypertensive as well as diabetic. His symptoms gradually increased and his condition deteriorated. The oxygen demand increased because of the severity of pneumonia, with the virus penetrating his lungs. With the kind of co-morbidities he had, Prof Shukla was in the high-risk category," the doctor said.

Prof Vibhuti Rai from Geology department said that Prof Shukla might have contracted the infection during a programme organised at Abhinav Gupta Sansthan in Lucknow University recently. "After that programme, a large number of professors got infected," he said. He added that Prof Shukla was a thorough gentleman and soft-spoken. He was very knowledgeable about Sanskrit. However, his colleagues were not sure whether or not he was infected. Some said he might have taken a vaccine dose. President of Lucknow University Teachers' Association (LUTA) Vineet Kumar Verma said they were shocked by the untimely death of Prof Shukla.

"It is important to know from where he caught the infection and what was the source of coronavirus infection in Lucknow University," he said, adding, "We have had several cases but no containment zone has been created in the residential area of the campus. Several teachers, students and staff members have tested positive. There should be coordination between the university and district administration and necessary steps taken to curb the spread of virus. Contact tracing should be carried out for all those who have tested positive and the information be made public," he said.

LUTA also organised an online condolence meet for Prof Shukla and it said that his death was a great setback for the university.

Apart from being a Padma Shri awardee in 2019, he was also felicitated with 'Sanskrit Sahitya Puruskar' in 2014, 'Saraswati Samman' in 2012, 'Vikram Kalidas Award' in 2011 and 'Shiksha Shri Samman' in 2010.

The Lucknow University administration is seeking consent from the closure of the administrative office till April 10 to break the chain of virus. Spokesperson Durgesh Srivastava said the university had written to the district administration seeking consent for the closure of the administrative office till April 10. In a letter written to the registrar to the district administration, it was stated that the university had tested positive in a number of others in the same block. Both the employees' union and teachers' association had demanded closure of the university to break the chain of infection.

AMRIT VICHAR PAGE 3

प्रोफेसर बीके शुक्ला का कोरोना से निधन

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो. एके शर्मा के निधन के बाद संस्कृत विभाग के वरिष्ठ शिक्षक पद्मश्री प्रो. बीके शुक्ला का भी कोरोना संक्रमण के कारण निधन मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे हो गया।

उन्हें होली से पहले संक्रमण हो गया था, जिसके बाद उन्हें चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालात गंभीर होने पर होली के बाद उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी स्तब्ध हैं।

प्रो. शुक्ला के अतिरिक्त करीब एक दर्जन और शिक्षक भी कोरोना की चपेट में हैं। इसमें

लविवि : डिप्लोमा कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया 15 के बाद ही

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि में पीजी स्तर पर चलने वाले लगभग 30 डिप्लोमा कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया कोरोना संक्रमण के चलते इस बार देरी से शुरू हो सकती है। इसके आवेदन अब 15 अप्रैल के बाद ही शुरू होने की उम्मीद है।

विश्वविद्यालय ने लगभग एक महीना पहले यूजी-पीजी व पीएचडी प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इसके बाद बीएलएड-डीएलएड व एमएड के भी आवेदन हल में शुरू कर

विभाग बंद होने से नहीं मिल रही पूरी जानकारी

दिए गए हैं, किंतु इसी बीच विवि के काफी शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने के कारण विवि लगभग बंद हो गया है। क्लासेस ऑनलाइन होने से अधिकतर शिक्षक विवि नहीं आ रहे हैं। वहीं, डिप्लोमा कोर्सों के संचालन से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी अभी तक नहीं मिल पाई है। जानकारी के अनुसार विभागों की सहमति से ही डिप्लोमा

लविवि के डीन पद्मश्री प्रो. बीके शुक्ल सहित सात लोगों की मौत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ में कोरोना संक्रमण चरम पर पहुंच रहा है। मंगलवार को लविवि के संस्कृत विभाग के वरिष्ठ शिक्षक व डीन कला संकाय पद्मश्री प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला सहित सात लोगों की कोरोना से मौत हो गई। इसके साथ ही केजीएमयू कुलपति ले. जनरल व कई डॉक्टरों सहित 1188 लोग संक्रमित मिले।

इसमें लविवि डिग्री केजीएमयू के कुलपति दोबारा डिग्री कोरोना पॉजिटिव

छात्रा भी शामिल हैं। कोरोना से जान गंवाने वाले प्रो. बृजेश को होली से पहले संक्रमण हुआ था। मंगलवार सुबह लोहिया संस्थान में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके निधन पर लखनऊ के सांसद व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक जताया। लविवि में इससे पहले पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो. एके शर्मा की भी मौत हो चुकी है।

राजधानी में तेजी से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। इसे देखते हुए मंगलवार को 25,563 सैपल लिए गए। संक्रमण के



राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करते लविवि के प्रो. बीके शुक्ला (फाइल फोटो)

मामले में मंगलवार को भी इंटरिमर सबसे आगे रहा। यहाँ सर्वाधिक 81, आलम्बाग में 45, रावबेली रोड में 29, हामनगर में 45, हजरतगंज में 43, अलीगंज में 44, तालकटोरा में 36, गोमती नगर में 77, चौक में 61, आशियाना में 43, विकास नगर में 35, हसनगंज में 29, जानकीपुरम में 35, उद्दुल्लोचन में 29 संक्रमित मिले। अब सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 7981 पहुंच गई है। सक्रिय होम आइसोलेशन रोगी 4560 दर्ज किए गए।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि व संबद्ध कॉलेज 10 तक बंद, परीक्षाएं भी टलीं

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय और उसके सहयुक्त 174 कॉलेजों की 10 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। अब तक विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को कोरोना से मौत हो चुकी है। मंगलवार को पद्मश्री से अलंकृत प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला की मौत के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ (लूटा) और कर्मचारी परिषद ने परिसर को पूरी तरह बंद करने की मांग उठाई। इसके बाद कोरोना की चैन तोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर 10 अप्रैल तक परिसर को पूरी तरह बंद करने की मांग की। लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा का कहना है कि कोरोना की ज्वरित लहर देखते हुए 10 अप्रैल तक परिसर व सभी कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में स्नातक प्रथम वर्ष व एमबीए की प्रस्तावित परीक्षाएं अब टल गई हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना का कहना है कि कोरोना की जो स्थिति है, उस आधार पर अभी कहा नहीं जा सकता कि परीक्षाएं कब से कराई जाएं।

लविवि के सहयुक्त कॉलेजों को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी जगह आनलाइन कक्षाएं संचालित होने का आदेश पहले ही भेजा जा चुका है। लविवि शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय को 20 अप्रैल तक बंद करने की मांग की थी, लेकिन विश्वविद्यालय ने मात्र चार दिन यानी 10 अप्रैल तक का प्रस्ताव डीएम को भेजा। लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा का कहना है कि कोरोना की जो स्थिति है, उस आधार पर अभी कहा नहीं जा सकता कि परीक्षाएं कब से कराई जाएं।

एलयू और 10 कॉलेज 10 अप्रैल तक बंद

» किया जा सकता है विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय सहित उससे सम्बद्ध महाविद्यालय 10 अप्रैल तक बंद रहे। मंगलवार को कोरोना संक्रमण से प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला की निधन के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. विनोद सिंह ने जिलाधिकारी से विश्वविद्यालय बंद करने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने लखनऊ विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों को 10 अप्रैल तक बंद करने की अनुमति दी

एलयू ने खो दिया संस्कृत का झंडाबरदार

प्रो. बीके शुक्ला ने अभिनव भवन में नया संस्थान शुरू करने में भी निभाई थी अहम भूमिका

20 तक बंद हो एलयू : लूटा

एनबीटी, लखनऊ : कोरोना संक्रमण देखते हुए एलयू और उससे संबद्ध कॉलेज इस अप्रैल तक बंद हो चुके हैं। इस बीच लखनऊ विवि शिक्षक संघ (लूटा) ने 20 अप्रैल तक विवि व कॉलेज बंद करने की मांग उठाई है। लूटा के अनुसार 'महज तीन-चार दिन में कोरोना की चैन नहीं टूटेगी। कम से कम 14 दिन तक संस्थान बंद करने के साथ ही परिसर सैनिटाइज करना चाहिए। लूटा अध्यक्ष डॉ. किरीत कुमार वर्मा के मुताबिक विवि के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी विरपी के भी संक्रमित होने पर कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग करवा सार्वजनिक सुचना दी जानी चाहिए। महामंत्री डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा के अनुसार संक्रमण रोकने के लिए सावधानी जरूरी है।

HINDUSTAN PAGE 4 & 6

एलयू समेत शहर के सभी कॉलेज 10 अप्रैल तक बंद

कोरोना का असर

लखनऊ। शिव शंकरदाता

कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध महाविद्यालय 10 अप्रैल तक बंद रहेंगे। मंगलवार को कोरोना संक्रमण से एलयू के प्रोफेसर बृजेश कुमार शुक्ला के निधन के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. विनोद सिंह ने जिलाधिकारी से विश्वविद्यालय बंद करने की अनुमति मांगी थी।

इसके बाद जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने लखनऊ विश्वविद्यालय को 10 अप्रैल तक बंद करने की अनुमति दी है। इससे पहले मंगलवार को सुबह प्रो. बृजेश कुमार



शुक्ला के निधन के बाद हर ओर जिला प्रशासन और लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की आलोचना होने लगी। जाकारों के अनुसार कर्मचारियों की ओर से भी विश्वविद्यालय बंद करने की आवाजें जोर शोर से उठने लगीं।

बात दें कि कर्मचारी एक ही बात कर रहा था कि जान बचेगी, तभी नौकरी करे, अगर विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसे तरह से विश्वविद्यालय बंद नहीं करता, तो हम खुद ही अब काम पर नहीं आएंगे। शिक्षक भी कर्मचारियों के स्वर में स्वर मिल रहे थे। सब विवि को बंद करने की मांग कर रहे हैं।

VISHWAVARTA PAGE 2

एलयू और 10 कॉलेज 10 अप्रैल तक बंद



मांग कर दी। इसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव और महामंत्री संजय शुक्ला ने तो उपमुख्यमंत्री प्रो.दिनेश शर्मा पत्र लिखकर विवि के सभी कार्यालय बंद कर परिसर को सैनेटाइज करने की मांग की। पूरे दिन विवि की बंद करने की उठा रही आवाज और कर्मचारी व शिक्षकों में रोष को देखते हुए विवि कुल सचिव ने तत्काल जिलाधिकारी से परिसर पूरी तरह

एलयू और उससे संबद्ध कॉलेज 10 तक बंद

LUCKNOW (8 April) बीके शुक्ल के निधन पर एलयू और उससे संबद्ध कॉलेजों को 10 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। अब तक विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों की मौत हो चुकी है। मंगलवार को पद्मश्री से अलंकृत प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला की मौत हो चुकी है।

एनबीटी, लखनऊ : एलयू में कुल 21 शिक्षक, कर्मचारी और स्टूडेंट कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। दो शिक्षकों की मौत भी हो चुकी है। इस बीच कर्म में दो अप्रैल को 96 लोगों के सैपल भी लिए गए थे, लेकिन पांच दिन बाद भी एलयू प्रशासन यह पता नहीं कर सका है कि इन्में से कितने संक्रमित हैं। ऐसे में शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ छात्रावास में रहने वाले स्टूडेंट कोरोना संक्रमण की आशंका से डरे हुए हैं। वहीं, इस बारे में पढ़ने पर एलयू प्रवक्ता दुर्रेश श्रीवास्तव पल्ला झाड़ते हुए ने कहा कि रिपोर्ट तो जांच करवाने वाले को सौंपे जाते हैं।

सैमिनार से संक्रमण फैलने की आशंका : एलयू में 23 मार्च को एमबीएस और अभिनव फिलोसोफी संस्थान का उद्घाटन हुआ था। उसके दिन 24 मार्च को सैमिनार भी हुआ था। एलयू के शिक्षकों के मुताबिक, इस समारोह में मौजूद हर आठ संकायों के प्रफेसर कॉविड संक्रमित मिले हैं।

एलयू प्रशासन को नहीं पता, कैम्पस में हैं कितने संक्रमित

एलयू प्रशासन को नहीं पता, कैम्पस में हैं कितने संक्रमित

लूटा, कर्मचारी परिषद की बंद करने की मांग

लूटा के अध्यक्ष डॉ. विनीत कुमार और महामंत्री डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा ने कोरोना से हो रही मौतों का हवाला देते हुए कुमारी प्रो. अभिषेक राय से विवि बंद करने की मांग की। इसके बाद एलयू कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव और महामंत्री संजय शुक्ला ने तो उपमुख्यमंत्री प्रो.दिनेश शर्मा को पत्र लिखकर विवि के सभी कार्यालय बंद कर परिसर को सैनेटाइज करने की मांग की।

संगठनों के दबाव में झुका एलयू प्रशासन

कर्मचारी व शिक्षकों में रोष को देखते हुए विवि कुल सचिव ने तत्काल जिलाधिकारी से परिसर पूरी तरह से बंद करने की अनुमति देने में जिला विवि बंद करने की अनुमति देने में जिला प्रशासन हिचक रहा था, लेकिन विवि परिवार में फैली दहशत के चलते बढ़ रहे रोष के कारण जिला प्रशासन ने देर शाम को विवि के साथ सभी महाविद्यालय को बंद करने की अनुमति दे दी। इसके बाद कुल सचिव ने बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

मांग कर दी। इसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव और महामंत्री संजय शुक्ला ने तो उपमुख्यमंत्री प्रो.दिनेश शर्मा पत्र लिखकर विवि के सभी कार्यालय बंद कर परिसर को सैनेटाइज करने की मांग की।

पूरे दिन विवि की बंद करने की उठा रही आवाज और कर्मचारी व शिक्षकों में रोष को देखते हुए विवि कुल सचिव ने तत्काल जिलाधिकारी से परिसर पूरी तरह

से बंद करने की अनुमति मांगी। हालांकि विवि बंद करने की अनुमति देने में जिला प्रशासन हिचक रहा था, लेकिन विवि परिवार में फैली दहशत के चलते बढ़ रहे रोष के कारण जिला प्रशासन ने देर शाम को विवि के साथ सभी महाविद्यालय को बंद करने की अनुमति दे दी। इसके बाद कुल सचिव ने विवि सहित सभी महाविद्यालय को 10 अप्रैल तक बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

तेजी से बढ़ते कोरोनावायरस के चलते

पद्मश्री से अलंकृत प्रोफेसर बृजेश शुक्ला की कोरोना से मौत

जार्स, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक और पद्मश्री से अलंकृत प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला की मंगलवार सुबह कोरोना से मौत हो गई। संक्रमित होने पर उन्हें लोहिया संस्थान के कॉविड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कई पीएचडी कोर्स भी शुरू करने की तैयारी की थी। उनके निधन पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने ऑनलाइन शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले विवि के प्रो. एके शर्मा की कोरोना से मौत हो गई थी।

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. एके शर्मा के निधन के मात्र कुछ दिन ही बीते थे कि यहीं के संस्कृत विभाग के वरिष्ठ शिक्षक पद्मश्री प्रो. बीके शुक्ला का भी कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया। उन्हें होली से पहले संक्रमण हो गया था, जिसके बाद उन्हें चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालात गंभीर होने पर होली के बाद उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहाँ मंगलवार सुबह करीब पांच बजे उनका निधन हो गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के करीब एक दर्जन और शिक्षक भी कोरोना की चपेट में हैं। इसमें एक शिक्षक की हालत गंभीर है। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्रेश श्रीवास्तव ने दुःख जताते हुए कहा कि यह उनकी निजी क्षति भी है। पद्मश्री प्रोफेसर शुक्ल अपने व्यवहार की वजह से सब के दिलों में वस्ते हैं। उन्होंने बताया कि वृद्धे संक्रमण के कारण ही विश्वविद्यालय में दस अप्रैल तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का निर्णय लिया जा चुका है। विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. बीके शुक्ला की शिक्षा के क्षेत्र में अतुल्य योगदान देने के लिए पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। दिल्ली में राष्ट्रपति ने इन्हें सम्मानित किया था। मंगलवार को सुबह उनके निधन की जानकारी पाकर विवि में शोक की लहर दौड़ गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे सहयुक्त 174 कॉलेजों को 10 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। अब तक विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों की कोरोना से मौत हो चुकी है।

मंगलवार को पद्मश्री से अलंकृत प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला की मौत के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) और कर्मचारी परिषद ने परिसर को पूरी तरह बंद करने की मांग उठाई। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि लविवि के सहयुक्त कॉलेजों को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सभी जगह आनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश पहले ही भेजा जा चुका है। लविवि परिसर में 15 से ज्यादा शिक्षक संक्रमित हैं। मंगलवार को इन्में चार और कर्मचारी भी शामिल हो गए हैं। लविवि शिक्षक संघ ने विवि को बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

को थी, लेकिन विश्वविद्यालय में मात्र चार दिन यानी 10 अप्रैल तक का प्रस्ताव डीएम को भेजा। लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा को कहना है कि चार दिन की छुट्टी से कोरोना चैन नहीं टूटेगी। इसलिए, उस आधार पर अभी कहा नहीं जा सकता कि परीक्षाएं कब से कराई जाएं।

को थी, लेकिन विश्वविद्यालय में मात्र चार दिन यानी 10 अप्रैल तक का प्रस्ताव डीएम को भेजा। लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा को कहना है कि चार दिन की छुट्टी से कोरोना चैन नहीं टूटेगी। इसलिए, उस आधार पर अभी कहा नहीं जा सकता कि परीक्षाएं कब से कराई जाएं।

को थी, लेकिन विश्वविद्यालय में मात्र चार दिन यानी 10 अप्रैल तक का प्रस्ताव डीएम को भेजा। लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा को कहना है कि चार दिन की छुट्टी से कोरोना चैन नहीं टूटेगी। इसलिए, उस आधार पर अभी कहा नहीं जा सकता कि परीक्षाएं कब से कराई जाएं।

एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की पढ़ाई अधर में लटकती दिख रही है। वहीं डिग्री कॉलेजों के शिक्षक तथा विश्वविद्यालय पर लगातार यह दबाव बनाने में लगे हुए हैं। कि किसी तरह से छात्रों को प्रमोट कर दिया जाए उनकी परीक्षाएं ना ली जाएं। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन फूक-फूक कर कदम रख रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया की दस अप्रैल तक लखनऊ विश्वविद्यालय बंद है। छह अप्रैल से शुरू होने वाली परीक्षाओं को 11 अप्रैल तक ही टाला गया था, लेकिन अब उसके होने पर भी सवाल खड़े हो गया है। अब देखना यह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन आगले कुछ दिनों में परीक्षाएं काफ़ी काफ़ी देर तक प्रमोट करके उन्हें अगली कक्षा में जाने देता है।

एलयू के प्रो. पद्मश्री बीके शुक्ल की कोरोना से मौत



पद्मश्री लेते प्रो. शुक्ला। (फाइल फोटो)

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. एके शर्मा के निधन के मात्र कुछ दिन ही बीते थे कि यहीं के संस्कृत विभाग के वरिष्ठ शिक्षक पद्मश्री प्रो. बीके शुक्ला का भी कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया। उन्हें होली से पहले संक्रमण हो गया था, जिसके बाद उन्हें चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालात गंभीर होने पर होली के बाद उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहाँ मंगलवार सुबह करीब पांच बजे उनका निधन हो गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के करीब एक दर्जन और शिक्षक भी कोरोना की चपेट में हैं। इसमें एक शिक्षक की हालत गंभीर है। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्रेश श्रीवास्तव ने दुःख जताते हुए कहा कि यह उनकी निजी क्षति भी है। पद्मश्री प्रोफेसर शुक्ल अपने व्यवहार की वजह से सब के दिलों में वस्ते हैं। उन्होंने बताया कि वृद्धे संक्रमण के कारण ही विश्वविद्यालय में दस अप्रैल तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का निर्णय लिया जा चुका है। विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. बीके शुक्ला की शिक्षा के क्षेत्र में अतुल्य योगदान देने के लिए पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। दिल्ली में राष्ट्रपति ने इन्हें सम्मानित किया था। मंगलवार को सुबह उनके निधन की जानकारी पाकर विवि में शोक की लहर दौड़ गई।